फैंस के लिए खुशखबरी: पूरे सीजन खेलेंगे एम धोनी

Page-04

tv भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

बैंड वाला कर रहा था फाइनल मैच की कॉमेंट्री

Page-05

गृह मंत्री अमित शाह का विपक्ष पर तीखा हमला

स्पीकर के खिलाफ विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव लोकसभा में गिरा

- लोकसभा में हंगामे के बीच प्रस्ताव खारिज
- राहुल गांधी के आरोपों का सरकार ने जवाब दिया

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से गिर गया, जिसके बाद गृह मंत्री अमित शाह ने संसदीय परंपराओं को कमजोर करने के लिए विपक्ष की आलोचना की। बहस के दौरान शाह ने स्पीकर का जोरदार बचाव किया और कहा कि भाजपा ने विपक्ष में रहते हुए कभी भी पद की गरिमा को ठेस नहीं पहुंचाई। सदन में तीखी बहस के बाद लोकसभा ने स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को खारिज कर दिया। ध्वनिमत से मतदान के बाद प्रस्ताव गिर गया, क्योंकि सत्ताधारी भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने प्रस्ताव का विरोध किया था। बहस के दौरान सरकार और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्पीकर का जोरदार बचाव किया और विपक्ष पर संसदीय परंपराओं को कमजोर करने का आरोप लगाया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए उनकी लगातार विदेश यात्राओं पर सवाल उठाया और उन पर संसद में बोलने की अनुमति न मिलने की गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया। गांधी की विदेश यात्राओं का विशेष

रूप से जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि जब सदन में बोलने का मौका होता है, तो कांग्रेस नेता बहसों में भाग लेने के बजाय जर्मनी या इंग्लैंड में नजर आते हैं।

गृह मंत्री ने विपक्ष के नेता की आवाज दबाए जाने के आरोप को खारिज करते हुए कहा कि बहसों के दौरान कब बोलना है, यह तय करना सदस्यों का अपना अधिकार है। शाह ने कहा कि विपक्ष के नेता को शिकायत है कि उन्हें बोलने नहीं दिया जाता और उनकी आवाज दबाई जाती है। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि कौन तय करेगा कि किसे बोलना है? अध्यक्ष? नहीं, यह आपको तय करना है। इससे पहले, स्पीकर के पद का बचाव करते हुए, शाह ने बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए विपक्ष की कड़ी आलोचना की। गृह मंत्री के अनुसार, ऐसा कदम संसदीय संस्था की गरिमा को ठेस पहुंचाता है। पिछली संसदीय परंपराओं को याद करते हुए, शाह ने कहा कि जब भाजपा के नेतृत्व वाला गठबंधन विपक्ष में था, तब उसने कभी भी स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का प्रयास नहीं किया। उन्होंने कहा कि हमने एक रचनात्मक विपक्ष के रूप में काम किया और पद की गरिमा को बनाए रखा।

लोकसभा स्पीकर पर अविश्वास प्रस्ताव पर गरमाई संसद, अमित शाह बोले- स्पीकर सभी के होते हैं

संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला को हटाने के प्रस्ताव को लेकर तीखी बहस जारी है. इस मुद्दे पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि स्पीकर पूरे सदन के होते हैं और उनके खिलाफ इस तरह का अविश्वास प्रस्ताव लाना बेहद अफसोसजनक है. दरअसल, कांग्रेस सांसद डॉ. मोहम्मद जावेद ने लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने का प्रस्ताव पेश किया था. इस प्रस्ताव पर चर्चा के लिए सदन में कुल 10 घंटे का समय तय किया गया है. इस बहस की शुरुआत एक दिन पहले कांग्रेस की ओर से सांसद गौरव गोगोई ने की थी. चर्चा के पहले दिन विपक्ष ने स्पीकर की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाए थे.

बीजेपी की ओर से संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सबसे पहले अपनी बात रखी और विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया. आज बहस का दूसरा दिन है, जिसमें गृह मंत्री अमित शाह सदन में प्रस्ताव पर सरकार का पक्ष रख रहे हैं.

पीएम-किसान की 22वीं किस्त, पीएम मोदी असम से जारी करेंगे 18,640 करोड़ रुपये

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी किसान सहायता योजना 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान)' की 22वीं किस्त 13 मार्च 2026 को जारी की जाएगी. केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को यह जानकारी दी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम के गुवाहाटी से इस किस्त को जारी करेंगे. इस दौरान देश भर के 9.32 करोड़ से अधिक किसान परिवारों के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 18,640 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि सीधे ट्रांसफर की जाएगी. केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह जानकारी देते हुए कहा कि यह कदम किसानों के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता और 'अन्नदाता सम्मान' की भावना को दर्शाता है.

न्यूजीलैंड को रौंदकर भारत बना चैंपियन

चैंपियन बनते ही टीम इंडिया हुई मालामाल

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

ICC टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारतीय टीम पर पैसों की बारिश हो रही है. विश्व विजेता बनने पर ICC ने भारत को 24 करोड़ से ज्यादा रुपये देने की घोषणा की है. बता दें कि, इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए फाइनल प्राइज मनी घोषित कर दी है. न्यूजीलैंड को खिताबी मैच में 96 रन से मात देने के बाद भारत को 26,39,423 अमेरिकी डॉलर (लगभग 24 करोड़ 29 लाख रुपये) बतौर प्राइज मनी मिलेंगे.

रनर-अप न्यूजीलैंड को 14,22,692 डॉलर (13 करोड़ रुपये) की पुरस्कार राशि मिलेगी. इस बार की प्राइज मनी में 2024 में घोषित आईसीसी टूर्नामेंट प्राइज मनी के मुकाबले इजाफा हुआ है. सेमीफाइनल गंवाने वाली साउथ अफ्रीकी टीम को 10,05,577 डॉलर, जबकि इंग्लैंड की टीम को 9,74,423 डॉलर प्राइज मनी के तौर पर मिलेंगे. सुपर 8 में पहुंचने वाली लेकिन

नॉकआउट में आगे नहीं बढ़ पाने वाली चार टीमों, वेस्टइंडीज, पाकिस्तान, जिम्बाब्वे, श्रीलंका को क्रमशः 5,38,269 डॉलर, 5,22,692 डॉलर, 4,91,538 डॉलर और 4,75,962 डॉलर मिलेंगे. इस बीच, जो टीमें सुपर 8 स्टेज तक पहुंचीं लेकिन आगे नहीं बढ़ पाईं, जिनमें अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और यूएसए शामिल हैं, उनमें से प्रत्येक टीम को 3,09,808 डॉलर दिए जाएंगे.

शेष प्रतिभागियों में स्कॉटलैंड को 2,78,654 डॉलर और आयरलैंड को 2,71,731 डॉलर मिलेंगे. इस बीच, इटली, नीदरलैंड्स, यूनाइटेड अरब अमीरात और नेपाल को 2,56,154 डॉलर देने की घोषणा की गई है.

एलपीजी बुकिंग को लेकर सरकार की बड़ी अपील

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति सामान्य है और लोगों को अनावश्यक बुकिंग से बचना चाहिए। घरेलू उपभोक्ताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तेल कंपनियों की एक संयुक्त समिति जरूरत के आधार पर गैस आवंटन का फैसला कर रही है ताकि वितरण पारदर्शी बना रहे। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ऊर्जा आपूर्ति को लेकर उठ रही चिंताओं के बीच केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि भारत में कच्चे तेल और रसोई गैस की आपूर्ति फिलहाल सुरक्षित है। सरकार ने लोगों से अपील की है कि गैस सिलेंडर को लेकर किसी तरह की घबराहट में अनावश्यक बुकिंग न करें। मौजूद जानकारी के अनुसार पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने

कहा है कि फिलहाल रसोई गैस की आपूर्ति को घरेलू उपभोक्ताओं के लिए प्राथमिकता दी जा रही है। बता दें कि गैर घरेलू उपयोग के लिए मिलने वाली गैस को भी जरूरी क्षेत्रों जैसे अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जा रहा है। गौरतलब है कि मंत्रालय ने राज्यों के प्रशासन और उद्योग संगठनों के साथ मिलकर एक योजना तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की है ताकि उपलब्ध गैस की आपूर्ति निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से सभी क्षेत्रों तक पहुंचाई जा सके।

हिन्दी जगत महामंच
www.tvbharatvarsh.in
tv भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर
प्रदेश का नं. 1
प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़
ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2-3)	फुल पेज (कवर 4- अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

ईरान के साथ युद्ध जब भी मैं चाहूं, खत्म हो जाएगा

मिडिल ईस्ट में तनाव के बीच ट्रंप का बड़ा बयान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा, "हमने उनकी नौसेना, उनकी वायु सेना, उनकी सभी रक्षा प्रणालियों को ध्वस्त कर दिया है। किसी ने भी ऐसा पहले कभी नहीं देखा। हमारे पास दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेना है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान के साथ युद्ध "जल्द ही" समाप्त हो सकता है क्योंकि "निशाना लगाने के लिए व्यावहारिक रूप से कुछ बचा ही नहीं है।" एक्सियोस के साथ एक संक्षिप्त बातचीत में ट्रम्प ने कहा: "थोड़ा-बहुत... जब भी मैं चाहूं, यह समाप्त हो जाएगा।" अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा, "हमने उनकी नौसेना, उनकी वायु सेना, उनकी रक्षा प्रणाली, सब कुछ ध्वस्त कर दिया है। ऐसा पहले कभी किसी ने नहीं देखा। हमारे पास दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेना है। उन्होंने 47 वर्षों के बराबर दुनिया को नुकसान पहुंचाया है। अब वे इसकी भारी कीमत चुका रहे हैं।" जब उनसे पूछा गया कि क्या वे अमेरिका को ईरान से वापस बुला रहे हैं, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा, "मैं इसका जवाब नहीं दूंगा। लेकिन हमने उन्हें इतिहास में लगभग किसी भी देश से कहीं अधिक भीषण प्रहार किया है। हमारा काम अभी खत्म नहीं हुआ है।" जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से पूछा गया कि क्या वे ईरान के साथ संघर्ष में जीत की घोषणा करेंगे यदि दिवंगत ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई के बेटे सर्वोच्च नेता बने रहते हैं, तो उन्होंने कहा, "मैं इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहता। लेकिन मैं आपको बता दूं कि मैंने अभी-अभी विभिन्न देशों के नेताओं से बात की है। उन्होंने कहा कि उन्होंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा। मैंने इसे अपने पहले कार्यकाल में बनाया और इस्तेमाल किया, लेकिन मुझे यह एहसास नहीं था कि मुझे इसका इतना अधिक उपयोग करना पड़ेगा। लेकिन हमारे पास दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेना है। कोई भी इसके आस-पास नहीं है।" अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा, "हमने उनकी नौसेना, उनकी वायु सेना, उनकी सभी रक्षा प्रणालियों को ध्वस्त कर दिया है। किसी ने भी ऐसा पहले कभी नहीं देखा। हमारे पास दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेना है। उन्होंने दुनिया को 47 वर्षों के बराबर नुकसान पहुंचाया है। अब वे इसकी भारी कीमत चुका रहे हैं।" ईरान के उप विदेश मंत्री काज़ेम ग़रीबाबादी ने कहा है कि युद्धविराम के लिए तेहरान की पहली शर्त यह है कि "आगे कोई आक्रामकता न बरती जाए", क्योंकि विश्व नेता कूटनीतिक रूप से संघर्ष को समाप्त करने के प्रयास तेज कर रहे हैं। ग़रीबाबादी ने आगे कहा कि चीन, रूस और फ्रांस सहित कई देशों ने शत्रुता समाप्त करने के प्रयासों के संबंध में ईरान से संपर्क किया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बग़ाई ने अमेरिकी नीति की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि व्हाइट हाउस द्वारा समर्थित एक रिपोर्ट ने हालिया सैन्य तनाव के पीछे के असली आर्थिक उद्देश्यों को उजागर कर दिया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट के सोशल मीडिया पोस्ट का जवाब देते हुए, जिसमें फॉक्स न्यूज़ का एक लेख था जिसका शीर्षक था "ऑपरेशन एपिक फ्यूरी साबित करता है कि यह अमेरिका फर्स्ट है और गर्व से MAGA का समर्थक है", बग़ाई ने कहा कि "अमेरिका और इज़राइल की आक्रामकता" का प्राथमिक उद्देश्य ईरान के तेल भंडारों पर कब्ज़ा करना है।

राज्यसभा चुनाव: AIMIM और RJD में बन गई बात?

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

बिहार में राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी पारा चढ़ा हुआ है. इसी बीच बुधवार (11 मार्च) को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और AIMIM के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान के बीच अहम मुलाकात हुई है. बताया जा रहा है कि दोनों के बीच राज्यसभा चुनाव समेत अन्य मुद्दों पर गहन चर्चा हुई. ओवैसी की पार्टी के नेता से मुलाकात के बाद तेजस्वी यादव ने सकारात्मक संकेत देते हुए कहा कि वे 15 मार्च को अख्तरुल ईमान के घर पर आयोजित इफ्तार पार्टी में शामिल होंगे. उन्होंने राज्यसभा चुनाव में जीत का भी दावा किया. आरजेडी नेता तेजस्वी यादव से मुलाकात के बाद एआईएमआईएम प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने कहा, "अभी जो हमारी बातें हुई, पहले हमलोग अपने नेता को बताएंगे उसके बाद आपको बताएंगे. अभी काफी सारी बातें हुई हैं. इतना जान लीजिए कि पॉजिटिव गुफ्तगू हुई है. पॉजिटिव को पॉजिटिव समझिए." आरजेडी ने राज्यसभा चुनाव के लिए एडी सिंह को प्रत्याशी बनाया है. आरजेडी के 25 समेत महागठबंधन के पास कुल 35 विधायक है. राज्यसभा चुनाव में एक सीट जीतने के लिए 41 विधायकों की जरूरत है. ओवैसी की पार्टी AIMIM के पांच विधायक हैं जबकि बीएसपी के एक विधायक है. आरजेडी को राज्यसभा की एक सीट पर जीत के लिए इन 6 विधायकों का समर्थन मिलना जरूरी है. ऐसे में तेजस्वी यादव की अख्तरुल ईमान से मुलाकात उसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है. तेजस्वी यादव ने कहा, 'सकारात्मक बातचीत हुई है.

लोकसभा स्पीकर के बाद अब CEC ज्ञानेश कुमार के खिलाफ संसद में प्रस्ताव

हैदराबाद-फुकेट के लिए उड़ान भरते टूटाएयर इंडिया के विमान का नोज-व्हील, रनवे पर दिखा घर्षण

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

एयर इंडिया एक्सप्रेस का एक विमान ने हैदराबाद-फुकेट (थाईलैंड) की उड़ान भरने के दौरान दुर्घटना का शिकार हो गया। यह दुर्घटना फुकेट एयरपोर्ट पर हुई। बताया जा रहा है कि इस दुर्घटना में विमान की नोज-व्हील टूट गई, जो रनवे पर घर्षण करते देखी गई। एयरलाइन ने बुधवार को दुर्घटना की पुष्टि की है। घटना के बाद फुकेत एयरपोर्ट पर उड़ान संचालन निलंबित कर दिया गया, क्योंकि विमान रनवे पर फंस गया है। बोइंग 737-मैक्स-8 विमान में सवार यात्रियों की संख्या की तत्काल जानकारी नहीं मिली। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने एक बयान में कहा, "हम पुष्टि करते हैं कि 11 मार्च को हमारी हैदराबाद-फुकेट उड़ान फुकेट एयरपोर्ट पर नोज व्हील में समस्या का सामना किया।" नोज व्हील विमान के लैंडिंग गियर सिस्टम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।" फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट flightradar24.com के अनुसार, फ्लाइट IX 938 ने हैदराबाद से निर्धारित प्रस्थान समय 6:20 बजे की बजाय 6:42 बजे उड़ान भरी और फुकेट इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर स्थानीय समयानुसार 11:40 बजे इमरजेंसी लैंडिंग की। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने बयान में कहा, "क्रू ने सभी मानक प्रोटोकॉल का पालन किया और यात्रियों को सुरक्षित रूप से उतारा गया। यह घटना एक हार्ड लैंडिंग के कारण हुई प्रतीत होती है, जिसमें नोज लैंडिंग गियर को नुकसान पहुंचा और विमान रनवे पर फंस गया। फुकेट एयरपोर्ट का एकमात्र रनवे दुर्घटना के बाद बंद हो गया, जिससे कई उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा। कोई घायल नहीं हुआ और सभी यात्री (लगभग 133 यात्री, क्रू सहित) सुरक्षित उतारे गए। एयरपोर्ट अधिकारियों ने जांच के बाद विमान को हटाया और संचालन बहाल किया।

दुबई एयरपोर्ट के पास गिरा ईरानी ड्रोन

भारतीय समेत चार लोग घायल

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

ईरान ने बुधवार को एक बार फिर दुबई पर ड्रोन से हमला किया। दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास दो ड्रोन गिरने से घाना के दो नागरिक, एक बांग्लादेशी और एक भारतीय घायल हो गए। दुबई मीडिया कार्यालय के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर जारी पोस्ट के अनुसार, "प्राधिकरणों ने पुष्टि की है कि दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (डीएक्सबी) के आसपास कुछ समय पहले दो ड्रोन हमले किए गए। इन हमलों में दो घानाई नागरिक और एक बांग्लादेशी नागरिक घायल हुए, जबकि एक भारतीय नागरिक को थोड़ी चोटें आई हैं। हवाई यातायात सामान्य रूप से संचालित हो रहा है।"बुधवार को यूएई के रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की थी कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ईरान से आने वाले मिसाइल और ड्रोन हमलों का जवाब दे रहे हैं। मंत्रालय ने लोगों से सुरक्षा और सतर्कता के निर्देशों का पालन करने का आग्रह भी किया। यूएई के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, "यूएई का हवाई रक्षा बल वर्तमान में ईरान से आने वाले मिसाइल और ड्रोन हमलों का जवाब दे रहा है। जो आवाजें सुनी गई हैं, वे एयर डिफेंस सिस्टम की मिसाइल और ड्रोन को रोकने की थीं। जनता से अनुरोध है कि सुरक्षा और सतर्कता के निर्देशों का पालन करें। यूएई में ईरान के मिसाइल हमले संयुक्त अमेरिकी-इजरायली हमलों के जवाब में किए गए हैं, जो 28 फरवरी से जारी हैं।

संपादक की कलम से

लोकसभा अध्यक्ष यानी स्पीकर संसद की कार्यवाही के सबसे महत्वपूर्ण और संवैधानिक पदों में से एक माने जाते हैं। यह पद केवल सदन की कार्यवाही संचालित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका दायित्व यह भी है कि संसद में निष्पक्षता, संतुलन और लोकतांत्रिक मर्यादा बनी रहे। हाल ही में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव ने इसी मुद्दे को एक बार फिर राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया है।इस प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि संविधान ने स्पीकर को मध्यस्थ की भूमिका दी है और उसी मध्यस्थ पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक परंपराओं पर प्रश्नचिह्न लगाने जैसा है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले 75 वर्षों में संसद के दोनों सदनों ने लोकतंत्र की नींव को बहुत मजबूत बनाया है, लेकिन विपक्ष का यह कदम उस प्रतिष्ठा पर सवाल खड़ा करता है।दरअसल, संसद में स्पीकर की भूमिका निष्पक्षता की प्रतीक मानी जाती है। परंपरा यह रही है कि स्पीकर दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सदन की कार्यवाही को संतुलित तरीके से चलाने का प्रयास करता है। यही कारण है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस पद की गरिमा और विश्वसनीयता बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है।हालांकि विपक्ष का कहना है कि लोकतंत्र में किसी भी संवैधानिक पद पर सवाल उठाना असामान्य नहीं है। उनके अनुसार, यदि उन्हें लगता है कि सदन की कार्यवाही निष्पक्ष तरीके से नहीं चल रही है, तो अविश्वास प्रस्ताव लाना उनका लोकतांत्रिक अधिकार है। इस दृष्टि से देखा जाए तो यह बहस केवल किसी एक व्यक्ति या पद तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संसद की कार्यप्रणाली और लोकतांत्रिक मूल्यों से भी जुड़ी हुई है।सवाल यह भी है कि क्या ऐसे प्रस्ताव लोकतंत्र को मजबूत करते हैं या राजनीतिक टकराव को और बढ़ाते हैं। एक स्वस्थ लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी होती है कि वे संसद की गरिमा और परंपराओं को बनाए रखें।अंततः संसद केवल राजनीतिक बहस का मंच नहीं है, बल्कि यह देश की लोकतांत्रिक आत्मा का प्रतीक भी है। ऐसे में जरूरी है कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद सभी दल संविधान, संस्थाओं और संसदीय मर्यादाओं का सम्मान करें। तभी लोकतंत्र की वह मजबूत नींव कायम रह सकेगी, जिसका जिक्र स्वयं अमित शाह ने अपने भाषण में किया।

लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर हंगामा

राहुल गांधी और रविशंकर प्रसाद के बीच तीखी बहस

लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर बुधवार को तीखी बहस देखने को मिली।नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर सवाल उठाए, जिस पर बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद ने कड़ा जवाब दिया।करीब 118 विपक्षी सांसदों के समर्थन वाले इस प्रस्ताव पर लोकसभा में 10 घंटे की चर्चा तय की गई है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान बुधवार को संसद में जोरदार बहस हो गई। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बीजेपी के वरिष्ठ सांसद रविशंकर प्रसाद की बात बीच में काटते हुए कहा कि उन्हें कई बार बोलने से रोका गया। राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'कॉम्प्रोमाइज्ड' होने, पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की किताब और एपस्टीन मामले को उठाने की बात कहने के बाद रविशंकर प्रसाद ने जबरदस्त पलटवार किया। राहुल गांधी ने कहा, 'मुझे कई बार बोलने से रोका गया। पिछली बार मैंने प्रधानमंत्री के कॉम्प्रोमाइज्ड होने के मुद्दे को उठाया। मैंने नरवणे के मुद्दे को उठाया। मैंने एपस्टीन के मुद्दे को उठाया। मुझे चुप करा दिया गया। हमारे प्रधानमंत्री कॉम्प्रोमाइज्ड हो चुके हैं और यह सब जानते हैं।' रविशंकर प्रसाद ने राहुल के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा, 'मैं नेता प्रतिपक्ष को याद दिलाना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कभी कॉम्प्रोमाइज्ड नहीं हो सकते। मैं एक और बात जोड़ना चाहता हूं, क्या पॉइंट ऑफ ऑर्डर में बहस की अनुमति है? नहीं है।' रविशंकर प्रसाद ने स्पीकर के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, 'मैं इस प्रस्ताव को नहीं समझ पा रहा। गौरव गोगोई ने पूछा था कि किताब का हवाला देने में क्या समस्या है? वह किताब जो कभी प्रकाशित ही नहीं हुई, सिर्फ घूम रही है। कोई इसे प्रमाणित कैसे कर सकता है? मैं विपक्ष से अपील करता हूं कि संसद की कार्यवाही का इस्तेमाल एक नेता के अहंकार को संतुष्ट करने के लिए न करें। स्पीकर के खिलाफ विपक्ष के इस हथियार को किसी नेता के अहंकार को संतुष्ट करने के लिए हथियार न बनाएं।' बता दें कि 2 फरवरी को राष्ट्रपति के संबोधन पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की अप्रकाशित किताब के अंशों का हवाला देना चाहा था। तभी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आपत्ति जताई और कहा कि कांग्रेस सांसद अप्रकाशित किताब का हवाला नहीं दे सकते, क्योंकि उसकी प्रमाणिकता नहीं है। राहुल के भाषण के शुरुआती मिनटों में ही बीजेपी सांसद तेजस्वी सूर्या के कांग्रेस पर लगाए गए आरोप पर भी तीखी नोकझोंक हुई। इसके बाद कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया और 50 से ज्यादा सांसदों ने खड़े होकर इसका समर्थन किया। अविश्वास प्रस्ताव पेश होते समय सदन की अध्यक्षता कर रहे भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने इस पर चर्चा की अनुमति दे दी और 10 घंटे की बहस तय की। उन्होंने कहा कि स्पीकर विपक्ष के साथ उदार रहे हैं और प्रक्रिया का पालन कर रहे हैं। बता दें कि कुल 118 विपक्षी सांसदों ने इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं।

ओम बिरला के खिलाफ प्रस्ताव ध्वनिमत से खारिज

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ संकल्प लाने को लेकर विपक्ष पर जोरदार हमला बोला. शाह ने कहा- विपक्षी दलों ने बिरला की निष्ठा पर सवाल खड़े किए हैं, जो बहुत अफसोसजनक है. संकल्प पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा- किसी को भी नियम के विपरीत बोलने का अधिकार नहीं है. शाह ने कहा- जब अध्यक्ष की निष्ठा पर सवाल खड़ा करता है तो यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और निंदनीय भी है. लोकसभा अध्यक्ष के फैसले पर असहमति हो सकती है, लेकिन उनका निर्णय अंतिम होता है. शाह ने कहा कि बजट सत्र के पिछले चरण में लोकसभा अध्यक्ष के चैम्बर में ऐसा माहौल खड़ा किया गया कि अध्यक्ष की सुरक्षा की चिंता पैदा हो गई थी. शाह ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी दावा करते हैं कि उन्हें सदन में बोलने नहीं दिया जाता, जबकि वह खुद बोलना नहीं चाहते. नेता प्रतिपक्ष ने विधेयकों पर चर्चा में भाग नहीं लिया. उन्होंने दावा किया कि राहुल पिछले साल शीतकालीन सत्र के दौरान जर्मनी की यात्रा पर थे. शाह ने कहा, जब-जब महत्वपूर्ण सत्र होता है, उनका विदेश दौरा होता है. जब आप विदेश में हैं तो आप कैसे बोलेंगे. यहां वीडियो कांफ्रेंस का प्रावधान नहीं है. अगर ऐसा प्रावधान होता तो उन्हें बोलने का मौका दे देते. विपक्ष का आरोप था कि ओम बिरला लोकसभा का काम खुलेआम एकतरफा तरीके से करते हैं. कई मौकों पर, विपक्षी पार्टियों के नेताओं को बोलने नहीं दिया गया, जो संसद में उनका बुनियादी लोकतांत्रिक अधिकार है. विपक्ष की ओर से कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई, कांग्रेस के मुख्य सचेतक कोडिकुनिल सुरेश और सांसद मोहम्मद जावेद तथा अन्य ने लोकसभा सचिवालय को नोटिस सौंपा था. जिसके बाद लोकसभा में प्रस्ताव पर चर्चा की गई.कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद द्वारा पेश किये गए संकल्प पर 12 घंटे से अधिक समय की चर्चा हुई. जिसपर गृह मंत्री अमित

शाह ने जवाब दिया. फिर पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने इसे वोटिंग के लिए सदन के समक्ष रखा.सदन ने विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच, ध्वनिमत से संकल्प को अस्वीकृत कर दिया. संकल्प पर चर्चा और मतदान के दौरान बिरला सदन में उपस्थित नहीं थे.

ममता बनर्जी बोलीं- गैस संकट पर

राज्य सरकार सतर्क, घबराने की जरूरत नहीं

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल में रसोई गैस की संभावित किल्लत को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को प्रमुख तेल विपणन कंपनियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर हालात की समीक्षा की। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। हालांकि उन्होंने गैस आपूर्ति व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल भी उठाए और कहा कि इसकी पूरी व्यवस्था केंद्र के नियंत्रण में है, इसलिए पहले से बेहतर योजना और निगरानी तंत्र होना चाहिए था। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से यह खबर फैलने के बाद कि गैस सिलिंडर खत्म होने पर नया सिलेंडर मिलने में करीब 25 दिन का समय लग सकता है, लोगों में अचानक चिंता बढ़ गई। इसके कारण गैस बुकिंग की संख्या भी तेजी से बढ़ी और सामान्यतः दो लाख के आसपास रहने वाली बुकिंग एक झटके में छह लाख तक पहुंच गई। उन्होंने कहा कि कई उपभोक्ताओं को सर्वर खराब होने के कारण भी बुकिंग में दिक्कत हुई, जिसे तुरंत ठीक करने का निर्देश दिया गया है। बैठक में राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन समेत प्रमुख तेल कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को सही जानकारी देने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की जाएगी, ताकि रोजाना स्थिति की स्पष्ट जानकारी दी जा सके और अफवाहों पर रोक लगे।ममता बनर्जी ने तेल कंपनियों से यह भी अनुरोध किया कि हालात सामान्य होने तक हल्दिया, कल्याणी और दुर्गापुर में रिफाइन की जाने वाली गैस को राज्य के बाहर न भेजा जाए। साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि मिड-डे मील, आंगनवाड़ी (आईसीडीएस) केंद्रों, अस्पतालों और छात्रावासों में गैस की आपूर्ति किसी

भी स्थिति में प्रभावित न हो। आम घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने की भी बात कही गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन परिवारों के पास केवल एक सिलेंडर है और जिनका गैस खत्म हो गया है या खत्म होने वाला है, उन्हें तुरंत सिलेंडर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। जिनके पास दो सिलेंडर हैं, उन्हें भी कम से कम एक सिलेंडर जल्द देने का सुझाव दिया गया है, ताकि लोगों को लंबा इंतजार न करना पड़े।

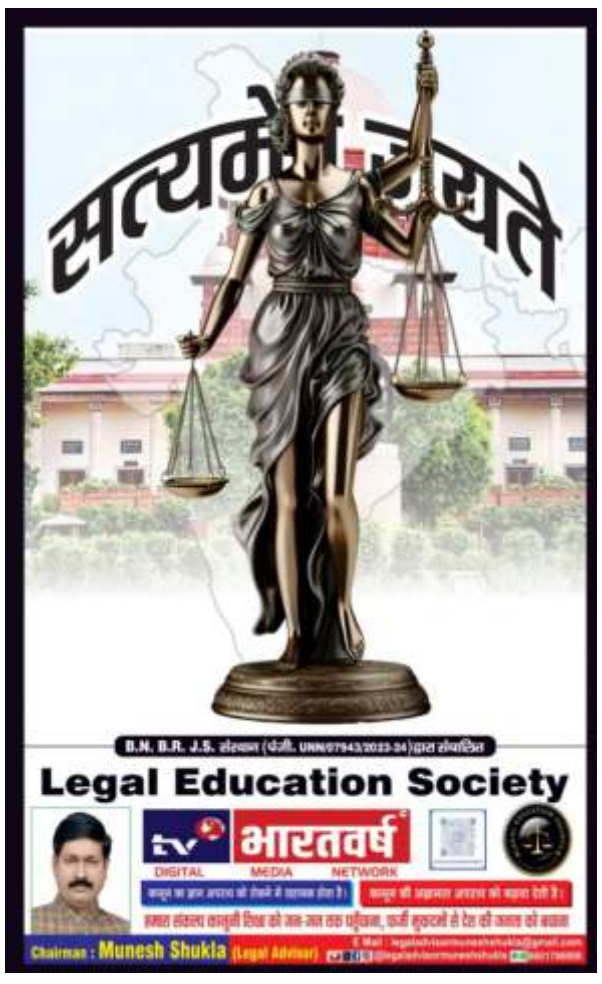

संसद सत्र के चलते
लखनऊ नगर निगम का बजट सदन टला

संसद के बजट सत्र के कारण लखनऊ नगर निगम का 13 मार्च को होने वाला बजट सदन टल गया है। अब इसके 2 अप्रैल के बाद होने की संभावना है। नगर निगम ने 2026–27 के लिए करीब 5179.71 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित किया है।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ नगर निगम के बजट को लेकर प्रस्तावित सदन की बैठक अब 13 मार्च को नहीं होगी। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। इसी कारण नगर निगम का बजट सदन फिलहाल टाल दिया गया है। हालांकि प्रशासनिक स्तर पर सार्वजनिक अवकाश के दिन सदन की बैठक बुलाने पर भी विचार किया जा रहा है, लेकिन अभी इस संबंध में कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।दरअसल, विधानसभा या संसद का सत्र चलने के दौरान नगर निगम का सदन आयोजित नहीं किया जाता है। इसी वजह से अब नगर निगम के बजट को मंजूरी देने के लिए सदन की बैठक 2 अप्रैल के बाद होने की संभावना जताई जा रही है। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बताया कि संसद का बजट सत्र चलने के कारण फिलहाल नगर निगम का सदन आयोजित करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि सदन की नई तारीख अभी तय नहीं की गई है और जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी।नगर निगम की कार्यकारिणी बैठक में 22 फरवरी को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तावित बजट को मंजूरी दी जा चुकी है। नगर निगम और जलकल विभाग की ओर से कुल 5179.71 करोड़ रुपये का बजट प्रस्ताव पारित किया गया था, जिसे अंतिम स्वीकृति के लिए सदन की बैठक में रखा जाना है।प्रस्तावित बजट के अनुसार वर्ष 2026-27 में नगर निगम द्वारा 4692.71 करोड़ रुपये से विभिन्न विकास कार्य कराए जाने की योजना है। इसके अलावा जलकल विभाग के सीवर और पेयजल से जुड़े कार्यों के लिए 487 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। बजट में सबसे अधिक जोर शहर की साफ-सफाई और कूड़ा निस्तारण व्यवस्था को बेहतर बनाने पर दिया गया है। इसके लिए कुल 400 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रस्ताव रखा गया है, ताकि शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाया जा सके।मेयर सुषमा खर्कवाल ने बताया कि इस बार नगर निगम के बजट में जनता पर कोई नया टैक्स नहीं लगाया गया है। उन्होंने कहा कि शहर के विकास को ध्यान में रखते हुए कई नई योजनाएं प्रस्तावित की गई हैं। इनमें उत्सव वाटिका का निर्माण, श्मशान घाटों का सुधार और बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने जैसे कार्य शामिल हैं।इसके अलावा नगर निगम की ओर से हाउस टैक्स ऑनलाइन जमा करने पर अप्रैल महीने से 10 प्रतिशत की छूट दी जाएगी, जबकि ऑफलाइन हाउस टैक्स जमा करने पर 8 प्रतिशत की छूट मिलेगी। मई और जून के महीनों में भी कुछ शर्तों के साथ यह छूट लागू रहेगी। वहीं, घरों पर सोलर पैनल लगवाने पर भी 10 प्रतिशत की छूट देने का प्रावधान किया गया है। हालांकि, एक समय में इन दोनों में से केवल एक ही छूट का लाभ लिया जा सकेगा।बजट में सड़क निर्माण के लिए 271 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रस्ताव है। इसके साथ ही शहर में कल्याण मंडपों का निर्माण, नगर निगम की सेवाओं को डिजिटल बनाने और अन्य मूलभूत सुविधाओं में सुधार करने पर भी विशेष जोर दिया गया है।वित्तीय प्रावधानों की बात करें तो बजट में 2278 करोड़ रुपये राजस्व लेखा (रेवेन्यू अकाउंट) के रूप में शामिल हैं, जो प्रॉपर्टी टैक्स, लीज रेंट, विभिन्न ठेकों और जुर्माने से होने वाली आय से प्राप्त होंगे। वहीं, 981 करोड़ रुपये राजस्व लेखा (कैपिटल अकाउंट) में शामिल किए गए हैं, जिनमें राज्य वित्त आयोग की संस्तुति पर मिलने वाली धनराशि, 16वें वित्त आयोग, अमृत योजना, स्वच्छ भारत मिशन और मुख्यमंत्री ग्रेड योजना समेत केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से मिलने वाला फंड शामिल है।

सिलेंडर न मिलने से चटोरी गली में 40 दुकानें बंद

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

गोमतीनगर 1090 चौराहा स्थित चटोरी गली में कामर्सियल सिलेंडर के अभाव में मंगलवार रात करीब 40 दुकानें बंद रहीं। चटोरी गली एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अविनाश ने बताया कि बंदी की वजह से लगभग 1 लाख रुपये से अधिक का कारोबार प्रभावित हुआ। उपाध्यक्ष अविनाश ने कहा कि ईरान और इजरायल के बीच हो रहे युद्ध की वजह से व्यापारियों और दुकानदारों के सामने अचानक बहुत बड़ा संकट आ गया। सिलेंडर न होने की वजह से दुकान बंद करना पड़ रहा है। दुकानदारों पर आर्थिक बोझ भी बढ़ गया है। यहां पर जितने भी दुकानदार हैं उनका व्यापार रोज के कारोबार पर आधारित है। इसी से उनके खर्चे पूरे होते हैं और कर्मचारियों को वेतन दिया जाता है। चटोरी गली हॉकर एसोसियशन के अध्यक्ष विक्रम सिंह ने बताया कि पूरे चटोरी गली में 140 दुकानें रजिस्टर्ड हैं। मंगलवार को कामर्सियल सिलेंडर की सप्लाई न होने की वजह से लगभग 40 दुकानें बंद रहीं। कुछ दुकानें जुगाड से संचालित की गईं, जिससे जो माल तैयार था उसे खराब होने से बचा लिया जाए। एसोसियशन के उपाध्यक्ष अविनाश कुमार ने कहा कि काम करने वाले कर्मचारियों के लिए बिना सिलेंडर के एक एक दिन भारी है। अगर स्थिति ऐसी ही रही तो एक दो दिन में सभी दुकानें बंद हो जाएंगी। उन्होंने बताया कि यहां एक दिन में एक दुकान से ₹ 2000 से 3500 रुपये तक का करोबार होता है। उनमें व्यवस्था और साफ सफाई कर्मी का वेतन और दूसरे खर्चे शामिल है। दुकानें बंद रहेंगी तो सभी प्रभावित होंगे। सरकार को इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए तत्काल इसका समाधान निकालना चाहिए।

यूपी बार काउंसिल चुनाव
लखनऊ हाईकोर्ट में 5 दिन तक होगी वोटिंग, 27 हजार अधिवक्ता करेंगे मतदान

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के चुनाव के लिए लखनऊ हाईकोर्ट परिसर में बुधवार से मतदान शुरू हो गया है। यह मतदान प्रक्रिया पांच दिनों तक चलेगी, जिसमें करीब 27 हजार अधिवक्ता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इससे पहले जनवरी में मतदान के दौरान अव्यवस्था और हंगामे की स्थिति बनने के कारण चुनाव प्रक्रिया रद्द कर दी गई थी। अब संशोधित कार्यक्रम के तहत कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान कराया जा रहा है।हाईकोर्ट परिसर में बुधवार सुबह 10 बजे से मतदान शुरू हुआ, जो शाम पांच बजे तक चलेगा। चुनाव प्रक्रिया को व्यवस्थित रखने के लिए अधिवक्ताओं के पंजीकरण वर्ष के आधार पर अलग-अलग दिनों में मतदान कराया जा रहा है। पहले दिन यानी 11 मार्च को वर्ष 1962 से 2000 के बीच पंजीकृत 5410 अधिवक्ता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। इसके बाद अन्य वर्षों में पंजीकृत अधिवक्ताओं के लिए अलग-अलग तिथियों पर मतदान की व्यवस्था की गई है।दरअसल, उत्तर प्रदेश बार काउंसिल का चुनाव पहले 27 और 28 जनवरी को प्रस्तावित था, लेकिन मतदान के दौरान अव्यवस्था और हंगामे की स्थिति उत्पन्न हो जाने के कारण चुनाव प्रक्रिया स्थगित करनी पड़ी थी। इसके बाद निर्वाचन अधिकारियों ने नया कार्यक्रम जारी किया, जिसके तहत लखनऊ जिले में 11 से 15 मार्च के बीच मतदान कराया जा रहा है। प्रदेश के अधिकांश जिलों में मतदान की प्रक्रिया पहले ही पूरी की जा चुकी है। लखनऊ जिले में 26 हजार से अधिक अधिवक्ता इस चुनाव में अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे।इस प्रदेश स्तरीय चुनाव में सदस्य पद के लिए कुल 333 अधिवक्ताओं ने नामांकन दाखिल किया था। हालांकि, दो प्रत्याशियों के निधन के बाद अब 331 उम्मीदवार मैदान में रह गए हैं। इन सभी

उम्मीदवारों के बीच मुकाबला काफी रोचक माना जा रहा है। चुनाव को लेकर अधिवक्ता समुदाय के बीच पिछले कई दिनों से सक्रियता और उत्साह भी देखने को मिल रहा है।मतदान को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए हाईकोर्ट परिसर में कुल 20 मतदान बूथ बनाए गए हैं। निर्वाचन अधिकारी की ओर से निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था के तहत मतदान स्थल और उसके आसपास पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। साथ ही परिसर के आसपास बैरिकेडिंग भी की गई है, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति न उत्पन्न हो सके और मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

नंगे पांव मातम करते निकला जुलूस, हजारों लोग हुए शामिल

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ में बुधवार को 21वें रमजान के अवसर पर शिया समुदाय की ओर से पारंपरिक जुलूस निकाला गया। इस दौरान बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने नम आंखों के साथ हजरत अली के ताबूत की जियारत की। जुलूस में शामिल लोग 'या अली मौला' और 'हैदर मौला' के नारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे।जुलूस की शुरुआत सआदतगंज स्थित नजफ इमामबाड़ा से हुई, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए तालकटोरा स्थित कर्बला तक पहुंचा। लगभग 6 किलोमीटर लंबे इस जुलूस में करीब 50 हजार लोगों के शामिल होने का अनुमान लगाया गया है। जुलूस सुबह करीब 5 बजे शुरू हुआ और दोपहर 11:30 बजे के आसपास समाप्त हुआ।जुलूस में महिला-पुरुष, बुजुर्ग और बच्चे नंगे पांव और काले कपड़े पहनकर शामिल हुए। अकीदतमंदों में हजरत अली के ताबूत को छूने और चूमने की होड़ दिखाई दी। कई श्रद्धालु भावुक होकर ताबूत की जियारत करते नजर आए।इस दौरान हैदरगंज क्षेत्र में परंपरा के अनुसार ताबूत को कुछ समय के लिए एक

कुएं के पास रोका गया। यहां ताबूत पर काली चादर चढ़ाने की रस्म अदा की गई, जिसके बाद जुलूस आगे बढ़ा।जुलूस के रास्ते में ईरान-इजराइल युद्ध के विरोध में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बिन सलमान और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तस्वीरें सड़क पर चिपकाई गई थीं। जुलूस में शामिल अकीदतमंद इन तस्वीरों को पैरों से रौंदते हुए आगे बढ़ते रहे।पूरे जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे। प्रशासन और पुलिस की टीम लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए थी, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके।

लखनऊ में पिकअप ब्रिज पर चलती कार में लगी आग

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी के गोमतीनगर क्षेत्र में स्थित पिकअप ब्रिज पर बुधवार को एक चलती कार में अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि कार लोहिया पार्क से पॉलिटेक्निक चौराहे की ओर जा रही थी। इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई, जिसके कुछ ही देर बाद उसमें आग लग गई।हादसे के तुरंत बाद कार में सवार लोगों ने सतर्कता दिखाते हुए गाड़ी से बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। देखते ही देखते कार से धुआं और आग की ऊंची लपटें निकलने लगीं। सड़क पर अचानक आग लगने की इस घटना से आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग को जानकारी दी गई। सूचना पाकर दमकल विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। दमकल कर्मियों ने करीब 20 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। हालांकि, तब तक कार का आगे का हिस्सा काफी हद तक जल चुका था।प्राथमिक जांच में यह सामने आया है कि कार के डिवाइडर से टकराने के बाद उसमें आग लगी। दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।इस हादसे के दौरान कुछ समय के लिए सड़क पर अफरा-तफरी की स्थिति भी बन गई थी, लेकिन राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

लखनऊ में गैस सिलेंडर की किल्लत से लोग परेशान, कालाबाजारी की शिकायतें
सीएम ने दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश

राजधानी लखनऊ में इन दिनों एलपीजी गैस सिलेंडर की किल्लत बढ़ती जा रही है, जिससे आम उपभोक्ताओं के साथ-साथ होटल, ढाबा और कैटरिंग कारोबारियों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर के विभिन्न गैस एजेंसियों पर सुबह से ही उपभोक्ताओं की लंबी कतारें देखी जा रही हैं, लेकिन इसके बावजूद कई लोगों को समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है।कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई प्रभावित होने से स्थिति और गंभीर हो गई है। कई होटल और ढाबा संचालकों को मजबूरी में गैस की जगह लकड़ी के चूल्हों का सहारा लेना पड़ रहा है। वहीं, कुछ चाय की दुकानों पर पक्की भट्टियां बनाकर काम चलाया जा रहा है।उपभोक्ताओं का कहना है कि एक सप्ताह पहले गैस सिलेंडर की बुकिंग कराने के बावजूद उन्हें सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो रहा है। इस बीच कालाबाजारी की शिकायतें भी सामने आने लगी हैं। लोगों का आरोप है कि कमर्शियल सिलेंडर ब्लैक में करीब 3500 रुपये तक में बेचे जा रहे हैं, जबकि पहले यही सिलेंडर लगभग 2110 रुपये में मिल जाता था।स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस कप्तानों को सख्त निर्देश दिए हैं कि गैस और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों की कालाबाजारी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर गैस आपूर्ति को लेकर गलत जानकारी फैलाने वालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाए।मुख्यमंत्री ने पुलिस मुख्यालय और जिलों की पुलिस को सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों से कहा गया है कि पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों के आसपास की स्थिति पर लगातार नजर रखें। सरकार ने स्पष्ट किया है कि गैस का अवैध भंडारण करने और कालाबाजारी में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।बुधवार सुबह से ही शहर के कई इलाकों में लोग गैस एजेंसियों के चक्कर लगाते दिखाई दिए। इंदिरा नगर गैस सर्विस पर पहुंचे उपभोक्ता श्यामू अवस्थी ने बताया कि वह सुबह छह बजे से लाइन में लगे हैं, लेकिन दोपहर तक भी उनका नंबर नहीं आया। कई जगह सर्वर ठप होने की शिकायतें भी सामने आई हैं, जिससे बुकिंग और डिलीवरी की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है।एजेंसी संचालकों का कहना है कि सिलेंडर देने के लिए उपभोक्ताओं को ओटीपी और बुकिंग का प्रमाण दिखाना जरूरी है। वहीं, जानकारी के अनुसार 6 मार्च के बाद से कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई प्रभावित हो गई है, जिससे होटल, रेस्टोरेंट और कैटरिंग

कारोबारियों के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है।उधर, लखनऊ के बीकेटी क्षेत्र में भी एलपीजी सिलेंडर की किल्लत देखने को मिल रही है। वितरण केंद्रों पर सैकड़ों ग्रामीणों की भीड़ जुट रही है और लोग लंबी लाइनों में खड़े होकर सिलेंडर मिलने का इंतजार कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बुकिंग में आ रही दिक्कतों के कारण पिछले कई दिनों से उन्हें गैस सिलेंडर के लिए काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

उन्नाव के शुक्लागंज में गैस सिलेंडर के लिए लंबी कतारें

सप्लाई में देरी से उपभोक्ताओं में नाराजगी

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के शुक्लागंज क्षेत्र में बुधवार सुबह भारत गैस एजेंसी के बाहर घरेलू गैस सिलेंडर लेने पहुंचे उपभोक्ताओं की लंबी कतारें लग गईं। गैस वितरण में देरी और सिलेंडरों की कमी के कारण उपभोक्ताओं में भारी नाराजगी देखने को मिली, जिससे एजेंसी के बाहर अव्यवस्था जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। लोग सुबह से ही सिलेंडर लेने के लिए लाइन में खड़े दिखाई दिए, लेकिन काफी देर तक इंतजार करने के बावजूद कई उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर नहीं मिल सका। उपभोक्ताओं का कहना है कि उन्हें पिछले कई दिनों से गैस सिलेंडर प्राप्त करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बुकिंग कराने के बावजूद समय पर सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। इस कारण लोगों को बार-बार एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं और घंटों लाइन में खड़े रहना पड़ता है।लाइन में खड़े उपभोक्ता मुश्ताक अली ने बताया कि गैस न मिलने से उनके घरेलू कामकाज पर सीधा असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि खाना बनाने में काफी परेशानी हो रही है और यदि जल्द गैस उपलब्ध नहीं कराई गई तो लोगों को मजबूरी में लकड़ी या अन्य वैकल्पिक साधनों का सहारा लेना पड़ सकता है। उनका कहना है कि गैस सिलेंडर जैसी जरूरी सुविधा समय पर उपलब्ध न होने से आम लोगों की दैनिक दिनचर्या प्रभावित हो रही है। अन्य उपभोक्ताओं ने भी इसी तरह की शिकायतें कीं। उनका कहना है कि यह समस्या पिछले 10 से 15 दिनों से लगातार बनी हुई है। एजेंसी पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग गैस लेने पहुंचते हैं, लेकिन कई बार पर्याप्त सिलेंडर उपलब्ध नहीं होने के कारण लोगों को खाली हाथ वापस लौटना पड़ता है। इससे उपभोक्ताओं में असंतोष लगातार बढ़ता जा रहा है। एक युवक ने बताया कि उसने पहले ही ऑनलाइन गैस बुकिंग कर दी थी, इसके बावजूद उसे सिलेंडर नहीं मिल पाया। एजेंसी की ओर से ओटीपी आने का इंतजार करने को कहा जाता है। जब उपभोक्ता ओटीपी आने के बाद पर्ची कटवाने के लिए पहुंचते हैं, तो कभी पर्ची खत्म होने की बात कही जाती है तो कभी यह कहा जाता है कि सिलेंडर उपलब्ध नहीं हैं। इस तरह बार-बार अलग-अलग कारण बताकर उपभोक्ताओं को टाल दिया जाता है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।एजेंसी के बाहर बढ़ती भीड़ और अव्यवस्था के कारण सड़क किनारे जाम जैसी स्थिति भी बन गई। बड़ी संख्या में लोग लाइन में खड़े रहे, जिससे आसपास का यातायात भी प्रभावित हुआ। घंटों लाइन में खड़े रहने के कारण बुजुर्गों और महिलाओं को विशेष रूप से परेशानी का सामना करना पड़ा। कई लोग लंबे समय तक इंतजार करने के बाद भी गैस सिलेंडर नहीं मिलने से निराश होकर वापस लौटते दिखाई दिए। स्थानीय लोगों ने गैस वितरण व्यवस्था में सुधार की मांग की है। उनका कहना है कि एजेंसी पर पर्याप्त मात्रा में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जाने चाहिए, ताकि लोगों को बार-बार परेशानी का सामना न करना पड़े। उपभोक्ताओं का मानना है कि यदि वितरण व्यवस्था को व्यवस्थित किया जाए और समय पर सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएं, तो इस तरह की स्थिति से बचा जा सकता है।फिलहाल, इस पूरे मामले पर गैस एजेंसी प्रबंधन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। उपभोक्ताओं को उम्मीद है कि जल्द ही इस समस्या का समाधान किया जाएगा और उन्हें समय पर घरेलू गैस सिलेंडर उपलब्ध हो सकेगा।

उन्नाव के आनंद घाट पर 'सार्वजनिक होली गंगामेला

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के गंगाघाट स्थित आनंद घाट (नए पुल के पास) पर मंगलवार रात 'सार्वजनिक होली गंगामेला' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नित्य गंगा आरती सेवा समिति के तत्वावधान में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु और नगरवासी शामिल हुए। आयोजन समिति के अनुसार, कार्यक्रम की शुरुआत शाम को हुई। सर्वप्रथम मां गंगा की भव्य महाआरती संपन्न कराई गई। वैदिक मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और भक्तिमय जयघोषों के बीच हुई इस आरती से पूरा घाट आध्यात्मिक वातावरण से गूंज उठा। दीपों की रोशनी और श्रद्धालुओं की आस्था ने गंगा तट को दिव्यता प्रदान की। महाआरती के बाद श्री राधा-कृष्ण की मनोहारी झांकी प्रस्तुत की गई। इसके साथ ही ब्रज की परंपरा पर आधारित फूलों की होली का आयोजन हुआ। गुलाल, अबीर और पुष्प वर्षा के बीच श्रद्धालु भक्ति और प्रेम के रंगों में सराबोर दिखे, जिससे पूरा घाट होली के उत्साह और भक्तिमय वातावरण से रंगीन हो गया। इस अवसर पर साहित्य और संस्कृति प्रेमियों के लिए एक विराट कवि सम्मेलन भी आयोजित किया गया। आमंत्रित कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से होली, भारतीय संस्कृति और सामाजिक एकता का संदेश दिया। श्रोताओं ने काव्य पाठ का भरपूर आनंद लिया। इस गंगामेला की विशेषता इसका सर्वसमावेशी स्वरूप रहा। नगर के विभिन्न सामाजिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने इसमें सहभागिता की।

उन्नाव में बिजली कनेक्शन काटने पहुंचे कर्मचारियों और उपभोक्ता में मारपीट

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के आजाद नगर मोहल्ले में बिजली कनेक्शन काटने पहुंचे विद्युत विभाग के कर्मचारियों और एक स्थानीय व्यक्ति के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की और मारपीट हो गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसके बाद इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है।आजाद नगर निवासी संत कुमार भारती ने आरोप लगाया है कि उनका बिजली बिल करीब एक लाख रुपये का है, जिसे लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। भारती के अनुसार, उन्होंने इस बिल का कुछ हिस्सा किस्तों में जमा किया है। उन्होंने बताया कि पहले 24,070 रुपये और उसके बाद दो बार 10-10 हजार रुपये का भुगतान किया जा चुका है। इसके बावजूद विद्युत विभाग बार-बार उनका कनेक्शन काट रहा है और उन पर जबरन वसूली का दबाव बनाया जा रहा है।संत कुमार भारती का कहना है कि उन्होंने सरकार की बिजली राहत योजना और ओटीएस (वन टाइम सेटलमेंट) योजना के तहत विभागीय अधिकारियों से कई बार संपर्क किया है। उन्होंने अधिशासी अभियंता को प्रार्थना पत्र देने के साथ ही अन्य उच्च अधिकारियों से भी मुलाकात की थी। उनका आरोप है कि अधिकारियों ने उन्हें किस्तों में भुगतान करने की अनुमति दी थी, जिसके बाद वह नियमित रूप से राशि जमा करने का प्रयास कर रहे थे।भारती के मुताबिक बुधवार दोपहर एसडीओ के निर्देश पर विद्युत विभाग के कर्मचारी उनके घर बिजली कनेक्शन काटने पहुंचे। उन्होंने कर्मचारियों से कुछ समय की मोहलत मांगी और बताया कि 14 तारीख को राष्ट्रीय लोक अदालत में वह अपने मामले का निस्तारण कराना चाहते हैं। साथ ही उन्होंने 15 तारीख तक 25 हजार रुपये जमा करने का प्रस्ताव भी दिया, लेकिन कर्मचारियों ने कनेक्शन काटने की प्रक्रिया जारी रखने की बात कही।इसी दौरान विवाद बढ़ गया। संत कुमार भारती का आरोप है कि मौके पर मौजूद एक कर्मचारी वीडियो बनाने लगा। जब उसे ऐसा करने से रोका गया तो कहासुनी शुरू हो गई और देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की और मारपीट होने लगी।घटना के दौरान शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई। वायरल वीडियो में भीड़ के बीच हंगामा और मारपीट का दृश्य दिखाई दे रहा है। घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो का संज्ञान लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। दोनों पक्षों से जानकारी जुटाई जा रही है और तहरीर मिलने के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उन्नाव में SI भर्ती परीक्षा की तैयारियां तेज, नकल रोकने के लिए कड़े इंतजाम

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। 14 और 15 मार्च को आयोजित होने वाली इस परीक्षा को शांतिपूर्ण, पारदर्शी और नकलविहीन ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।इसी संबंध में जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्टेटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट और परीक्षा केंद्र व्यवस्थापक मौजूद रहे। अधिकारियों को परीक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी सतर्कता और ईमानदारी से करने के निर्देश दिए गए।जिलाधिकारी गौरांग राठी ने कहा कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता को स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी केंद्रों पर निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़ी निगरानी व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए।उन्होंने यह भी कहा कि परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया समय पर शुरू की जाए और पहचान पत्रों का गहन सत्यापन किया जाए। केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ एकत्र न होने दी जाए और धारा 163 के प्रावधानों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने स्टेटिक और सेक्टर मजिस्ट्रेटों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित भ्रमण करने और किसी भी समस्या की सूचना तुरंत कंट्रोल रूम को देने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा। संवेदनशील केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। साथ ही परीक्षा के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और परीक्षा केंद्रों के आसपास सुरक्षा को मजबूत करने के निर्देश भी दिए गए।बैठक में बताया गया कि उन्नाव जनपद में इस भर्ती परीक्षा के लिए कुल 8 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां लगभग 9600 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी। प्रशासन की ओर से सभी केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी, जैमर व्यवस्था, चेकिंग टीम और फ्लाइंग स्क्वॉड की तैनाती सुनिश्चित की जा रही है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि परीक्षा से संबंधित सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं। साथ ही किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना पर तुरंत कार्रवाई की जाए। जिला प्रशासन ने अभ्यर्थियों से भी अपील की है कि वे परीक्षा नियमों का पालन करें और निर्धारित समय से पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचें, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित वातावरण में संपन्न हो सके।

उन्नाव के अचलगंज में युवक को मारी गोली, हालत गंभीर आरोपी फरार

उन्नाव के अचलगंज थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर एक युवक को गोली मार दी गई। घायल युवक लवकुश यादव (19) को गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) अचलगंज में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी की तलाश तेज कर दी है। पुलिस के अनुसार, बुधवार दोपहर करीब तीन बजे डायल 112 के माध्यम से सूचना मिली कि ग्राम घर्षिल पुरवा में एक युवक को गोली मारी गई है। सूचना मिलते ही अचलगंज थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। टिगरा गांव निवासी लवकुश यादव पुत्र रामकेश यादव को गोली लगी थी, जिसे बिना देरी किए उपचार के लिए सीएचसी अचलगंज भेजा गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के दौरान लवकुश के पेट के नीचे गोली लगने का निशान पाया। डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई थी। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि गोली चलाने का आरोप घर्षिल पुरवा निवासी चंदन निषाद (20) पुत्र राम किशन पर है। घटना के बाद आरोपी चंदन मौके से फरार हो गया। पुलिस टीम ने गांव और आसपास के क्षेत्रों में आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों से पूछताछ में पता चला है कि घायल लवकुश और आरोपी चंदन आपस में दोस्त हैं। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि गोलीबारी किसी विवाद के कारण हुई या इसके पीछे कोई अन्य वजह है।

त्योहारों से पहले उन्नाव प्रशासन सतर्क, डीएम-एसपी ने शांति व्यवस्था के दिए निर्देश

उन्नाव में आगामी त्योहारों को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इसमें पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, धर्मगुरु और समाजसेवी उपस्थित रहे। बैठक में ईद-उल-फितर (चांद के दीदार के अनुसार 21 मार्च), अलविदा की नमाज (13 मार्च), नवरात्रि (19 मार्च से) और रामनवमी (26 मार्च) को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने पर चर्चा हुई। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर साफ-सफाई सुनिश्चित करने के आदेश दिए। जिला पंचायत राज अधिकारी और नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को प्रमुख मार्गों, बाजारों और धार्मिक स्थलों के आसपास सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने को कहा गया। उपजिलाधिकारियों और क्षेत्राधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जुलूस और शोभायात्राएं पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई जाएं

डीपफेक का बढ़ता खतरा

डिजिटल इंडिया में आपकी जानकारी कितनी सुरक्षित?

डिजिटल दौर में तकनीक ने हमारी जिंदगी को पहले से कहीं ज्यादा आसान बना दिया है। आज हम मोबाइल से ही बैंकिंग करते हैं, ऑनलाइन पेमेंट करते हैं, सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हैं और कई सरकारी सेवाओं का फायदा भी इंटरनेट के जरिए उठाते हैं ।लेकिन इसी डिजिटल दुनिया के साथ कुछ नए खतरे भी तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्हीं में से एक बड़ा खतरा है **डीपफेक तकनीक** का। सबसे पहले समझते हैं कि आखिर **डीपफेक क्या होता है।**डीपफेक एक ऐसी तकनीक है जिसमें **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग** की मदद से किसी व्यक्ति का चेहरा, आवाज या वीडियो इस तरह बदल दिया जाता है कि वह बिल्कुल असली लगे। यानी किसी भी व्यक्ति का नकली वीडियो या ऑडियो बनाकर ऐसा दिखाया जा सकता है जैसे वह सच में वही बात कह रहा हो। पिछले कुछ समय में डीपफेक के कई मामले सामने आए हैं। कई बार नेताओं, फिल्मी सितारों और यहां तक कि आम लोगों के नकली वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किए गए। इनका इस्तेमाल अक्सर **फेक न्यूज फैलाने, लोगों को भ्रमित करने या किसी की छवि खराब करने** के लिए किया जाता है।

डीपफेक का सबसे बड़ा खतरा यह है कि इसे पहचानना आसान नहीं होता। कई बार वीडियो इतना असली लगता है कि लोग उसे सच मान लेते हैं और बिना जांचे-परखे आगे शेयर भी कर देते हैं।

अब सवाल यह है कि **डीपफेक से कैसे बचा जाए।**सबसे पहली और जरूरी बात है कि सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले किसी भी वीडियो या ऑडियो पर तुरंत भरोसा न करें। अगर कोई वीडियो बहुत चौंकाने वाला या विवादित है, तो उसे किसी भरोसेमंद न्यूज स्रोत से जरूर जांच लें।दूसरी बात, वीडियो में चेहरे के हावभाव, आंखों की हरकत, आवाज और लिप-सिंक पर ध्यान दें। कई बार डीपफेक वीडियो में ये चीजें पूरी तरह प्राकृतिक नहीं लगतीं।

तीसरी बात, किसी भी संदिग्ध वीडियो को बिना जांचे-परखे **फॉरवर्ड करने से बचें**, क्योंकि इससे गलत जानकारी बहुत तेजी से फैलती है।अब बात करते हैं **डिजिटल इंडिया और डेटा सुरक्षा** की। भारत में डिजिटल सेवाओं का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। ऑनलाइन बैंकिंग, यूपीआई पेमेंट, आधार आधारित सेवाएं और सरकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म आज करोड़ों लोग इस्तेमाल कर रहे हैं।लेकिन इसके साथ ही **डेटा सुरक्षा** का सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण हो गया है। हमारी निजी जानकारी जैसे मोबाइल नंबर, बैंक डिटेल, आधार डेटा और ऑनलाइन गतिविधियां इंटरनेट पर मौजूद रहती हैं। सरकार ने डेटा सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। हाल के वर्षों में डेटा सुरक्षा से जुड़े नए कानून और नियम लागू किए गए हैं, ताकि लोगों की निजी जानकारी सुरक्षित रखी जा सके। इसके बावजूद साइबर अपराध और डेटा चोरी के मामले पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं। इसलिए हर नागरिक को भी अपनी डिजिटल सुरक्षा को लेकर सतर्क रहना जरूरी है।

मजबूत पासवर्ड का इस्तेमाल करें, अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचें, और अपनी निजी जानकारी किसी भी संदिग्ध वेबसाइट या ऐप के साथ साझा न करें। आज की दुनिया में तकनीक जितनी तेजी से आगे बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से **साइबर खतरे भी बढ़ रहे हैं।** ऐसे में जरूरी है कि हम डिजिटल दुनिया का इस्तेमाल समझदारी से करें और अपनी जानकारी को सुरक्षित रखने के लिए हमेशा सतर्क रहें।

क्या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी AI भारत में नौकरियाँ छीनने वाला है?

दुनिया तेजी से बदल रही है।आज AI सिर्फ एक तकनीक नहीं, बल्कि एक नई औद्योगिक क्रांति बन चुका है।चैटबॉट, ऑटोमेशन, रोबोटिक्स और स्मार्ट सॉफ्टवेयर अब कई ऐसे काम कर रहे हैं, जिन्हें पहले इंसान करते थे।बैंकिंग, कस्टमर सर्विस, कंटेंट राइटिंग, डिजाइनिंग, डेटा एनालिसिस और यहां तक कि मेडिकल रिपोर्ट बनाने तक में AI का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है।एक रिपोर्ट के मुताबिक, आने वाले वर्षों में दुनिया भर में लाखों नौकरियाँ ऑटोमेशन की वजह से खत्म हो सकती हैं।लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है।जहाँ AI कुछ नौकरियाँ खत्म करेगा, वहीं नई नौकरियाँ भी पैदा करेगा।AI डेवलपमेंट, डेटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी, मशीन लर्निंग और टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं।भारत जैसे युवा देश के लिए यह एक चुनौती भी है और अवसर भी।अगर युवा नई तकनीकों को सीखते हैं, स्किल्स को अपडेट करते हैं और बदलती दुनिया के साथ कदम मिलाकर चलते हैं,तो AI दुश्मन नहीं बल्कि सबसे बड़ा सहयोगी बन सकता है।विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में नौकरियाँ खत्म नहीं होंगी,बल्कि नौकरियों का स्वरूप बदल जाएगा।यानी भविष्य उन्हीं का होगा जो सीखने और खुद को बदलने के लिए तैयार होंगे।तो सवाल यह नहीं है कि AI नौकरियाँ ले जाएगा या नहीं,असल सवाल यह है कि क्या हम खुद को उस भविष्य के लिए तैयार कर रहे हैं?

IPL 2026: पूरा सीजन खेलेंगे धोनी

पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने फिर से कराई भयंकर बेइज्जती

पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने फिर से वही काम किया है, जो इससे पहले करती आ रही है। टी20 विश्व कप 2026 में तो पाकिस्तानी टीम का कारवां सुपर 8 के आगे नहीं जा पाया और अब टीम ने फिर से इंटरनेशनल क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया है। टीम ने एक और शर्मनाक रिकॉर्ड बनाकर अब से करीब 27 साल पुराना कीर्तिमान ध्वस्त कर दिया है। टीम का कोई भी बल्लेबाज रन नहीं बना पाया। टी20 विश्व कप 2026 के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट एक बार फिर से शुरू हो गया है। पाकिस्तानी टीम तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए बांग्लादेश के दौरे पर है, जहां पहला मुकाबला आज खेला जा रहा है। पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तानी टीम केवल 114 रन पर ही आउट हो गई। ध्यान रखिएगा ये वनडे मुकाबला है यानी पूरे 50 ओवर का मैच। टी20 नहीं जो 20 ओवर में खत्म हो जाए। टीम अपने कोटे के पूरे 50 ओवर नहीं खेल पाई और 30.4 ओवर में पवेलियन लौट गई। शाहीन शाह अफरीदी की कप्तानी में पाकिस्तान ने तो 114 रनों का स्कोर बनाया है, वो बांग्लादेश के खिलाफ टीम का सबसे छोटा स्कोर है। इससे पहले पाकिस्तान ने साल 1999 में बांग्लादेश के खिलाफ 161 रन बनाए थे। लेकिन अब सबसे छोटे स्कोर का रिकॉर्ड टूट गया है। जब सीरीज का आगाज ही पाकिस्तान ने इतने शर्मनाक तरीके से किया है तो बचे हुए मैचों में क्या होगा, ये भी देखना काफी दिलचस्प होगा। आपको एक और खास बात बताते हैं। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाजों के बीच पहले विकेट के लिए 41 रनों की पार्टनरशिप हुई थी। वहीं आखिरी विकेट के लिए 32 रन जोड़े गए। तब टीम का स्कोर 114 तक पहुंचा है, अगर ये साझेदारी नहीं हुई होती तो कहानी कुछ और ही होती। टीम के लिए सबसे ज्यादा 37 रन फहीम अशरफ ने बनाए, दूसरे वेस्ट स्कोरर साहिबजादा फरहार रहे, जिन्होंने 27 रन की पारी खेली।

दुबे टी-20 वर्ल्डकप जीतने के बाद ट्रेन से मुंबई पहुंचे:अपर बर्थ पर छिपकर सफर किया

टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे ट्रेन से मुंबई पहुंचे। उन्होंने अहमदाबाद-मुंबई सायाजी एक्सप्रेस की एसी-3 टियर कोच में अपर बर्थ पर छिपकर सफर किया, ताकि कोई उन्हें पहचान न सके। सफर के दौरान जब टिकट चेकर ने नाम को लेकर सवाल किया तो उनकी पत्नी अंजुम ने तुरंत बात संभालते हुए उनकी पहचान भी छिपा ली। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल जीतने के बाद दुबे सोमवार सुबह करीब 5:10 बजे की ट्रेन से मुंबई रवाना हुए। उन्होंने पहचान छिपाने के लिए कैप, मास्क और फुल स्लीव टी-शर्ट पहनी। ट्रेन में बैठते ही वह एसी-3 टियर कोच की ऊपर वाली बर्थ पर जाकर लेट गए और रेलवे कंबल ओढ़ लिया ताकि कोई पहचान न सके। सफर के दौरान टिकट चेकर को दुबे के नाम पर शक हुआ। जब TTE ने पूछा कि शिवम दुबे कौन है, क्या वह क्रिकेटर है?, तब उनकी पत्नी अंजुम ने तुरंत जवाब दिया कि ऐसा कोई यहां नहीं है। इसके बाद टिकट चेकर आगे बढ़ गया और दुबे की पहचान छिपी रही। दुबे ने बताया कि फाइनल के बाद मुंबई जाने वाली सभी फ्लाइट्स फुल थीं। सड़क मार्ग से जाना भी संभव था, लेकिन ट्रेन ज्यादा तेज विकल्प था। वह जल्द से जल्द अपने चार साल के बेटे अयान और दो साल की बेटी मेहविश से मिलना चाहते थे, जो मुंबई में घर पर थे। करीब आठ घंटे के सफर के बाद जब ट्रेन मुंबई के बोरीवली स्टेशन पहुंचने वाली थी तो दुबे को भीड़ की चिंता होने लगी। उन्होंने पुलिस से मदद मांगी। पुलिस एस्कॉर्ट मिलने के बाद वह सुरक्षित तरीके से स्टेशन से बाहर निकल सके। टी-20 वर्ल्ड कप में दुबे ने फिनिशर की भूमिका निभाई। उन्होंने टूर्नामेंट में 235 रन बनाए, उनका औसत 39 और स्ट्राइक रेट 169 रहा। फाइनल में भी उन्होंने आखिरी ओवर में 3 चौके और 2 छक्के लगाकर भारत का स्कोर 250 के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

IPL 2026 आईपीएल 2026 के शेड्यूल का ऐलान

आईपीएल 2026 को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। अभी तक ये साफ नहीं था कि इसका पहला मैच कब खेला जाएगा। अब पूरी तस्वीर सामने आ गई और इस पर मोहर लग गई है। बीसीसीआई ने पहले फेज का शेड्यूल जारी कर दिया। ये भी बात दिया गया है कि पहला मुकाबला किन दो टीमों के बीच होगा। इस बार आईपीएल का पहला मैच शनिवार को होगा, लेकिन पहले शनिवार और रविवार को एक एक मैच ही होना है, इस दिन डबल हेडर नहीं है। बीसीसीआई ने आईपीएल 2026 के पहले फेज का शेड्यूल जारी कर दिया है। अभी का शेड्यूल 28 मार्च से लेकर 12 अप्रेल तक का है। जल्द ही बाकी बचे हुए मैचों का भी शेड्यूल जारी कर दिया जाएगा। पहला मुकाबला आईपीएल की मौजूदा चैंपियन आरसीबी और एसआरएच यानी सनराइजर्स हैदराबाद के बीच होगा। ये मैच बेंगलुरु में होना है। दूसरे दिन रविवार है और इस दिन मुंबई में मुंबई इंडियंस का मैच केकेआर से होना तय हुआ है। इस साल का पहला डबल हेडर 4 अप्रेल को खेला जाएगा। इस दिन शनिवार है। दिन के पहले मैच में तीन बजे से दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस की टीमें आमने सामने होंगी। इसके बाद शाम को गुजरात टाइटंस की टक्कर राजस्थान रॉयल्स से होगी। इसके अगले दिन यानी रविवार को फिर से दो मैच हैं। इस दिन पहला मैच तीन बजे से सनराइजर्स हैदराबाद और एलएसजी के बीच होगा। इसके बाद इसी दिन शाम को सात बजे से आरसीबी और सीएसके के बीच मुकाबला खेला जाएगा। अभी 12 अप्रेल तक का शेड्यूल आया है, इसमें मुंबई इंडियंस और आरसीबी के बीच मुंबई में आमना सामना होगा। उम्मीद है कि अगले सप्ताह तक दूसरे फेज के शेड्यूल का भी ऐलान कर दिया जाएगा। माना जा रहा है कि पांच राज्यों में विधानसभा चुना होने हैं, उनकी तारीखों का ऐलान होने के बाद बीसीसीआई की ओर से फिर से शेड्यूल जारी किया जाएगा।

कतर में फंसे बिजनेसमैन ने सुनाई आपबीती

जब सिर के ऊपर से गिरने लगे बम

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, जॉन टैटम अमेरिका के काफी प्रभावशाली व्यापारियों में से एक हैं. फिर भी जब दोहा के डाउनटाउन में उनके होटल के कमरे के ऊपर बम गिरने लगे - जो कतर में अमेरिकी सैन्य ठिकाने से कुछ ही मिनटों की दूरी पर था - तो वह खुद को बुरी तरह से फंसे हुए और असहाय महसूस कर रहे थे.

यूएस और इजरायल लगातार ईरान पर हमला कर रहा है (Photo - AP)

अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद जब ईरान ने जवाब में खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी मिलिट्री बेस पर ड्रोन और मिसाइल दागना शुरू किया तो इन देशों में फंसे कई विदेशी नागरिकों की जान पर बन आई. इनमें हजारों अमेरिकी भी शामिल थे. ईरान के ऐसे ही हमलों के बीच कतर में फंसे एक दिग्गज अमेरिकी स्पोर्ट्स बिजनेसमैन जॉन टैटम ने उस भयावह मंजर से बच निकलने की अपनी कहानी सुनाई. जब अचानक से शांत और सिक्योर माने जाने वाले कतर में उन्होंने सिर के ऊपर से बम और मिसाइल को नीचे गिरते देखा.

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, जॉन टैटम अमेरिका के काफी प्रभावशाली व्यापारियों में से एक हैं.

फिर भी जब दोहा के डाउनटाउन में उनके होटल के कमरे के ऊपर बम गिरने लगे - जो कतर में अमेरिकी सैन्य ठिकाने से कुछ ही मिनटों की दूरी पर था - तो वह खुद को बुरी तरह से फंसे हुए और असहाय महसूस कर रहे थे. व्हाइट हाउस में संपर्क और अन्य प्रभावशाली शख्सियतों से जान-पहचान भी काम नहीं आई. ईरान ने जब जवाबी कार्रवाई शुरू कि तो अमेरिकी विदेश विभाग में बैठे अफसर अपने आम नागरिकों को छोड़िए, जॉन टैटम जैसे बड़े कारोबारी का भी कॉल रिसीव नहीं कर रहे थे.

गेंद गुम होने पर पुलिस की अनोखी पोस्ट

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को शिकस्त दी. इसके साथ ही भारत टी-20 वर्ल्ड कप को तीसरी बार जीतने वाला पहला देश भी बन गया है. भारत ने 2007 और 2024 के बाद अब 2026 में टी-20 वर्ल्ड कप अपने नाम किया है. देश के लोगों के साथ सोशल मीडिया पर भी इसका असर देखा गया.

आज की तस्वीर

हक़ की मांग

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के के मौके पर इटली की राजधानी रोम में प्रदर्शनकारी मशहूर ऐतिहासिक स्थल कोलोसियमके सामने विरोध प्रदर्शन करते नजर आए. महिलाओं के अधिकार और समानता की मांग को लेकर लोगों ने यहां अपनी आवाज बुलंद की.

मुंबई लोकल में बैठने का महिला का वीडियो वायरल

ट्रेन में सीट नहीं मिलने पर स्टूल वाला जुगाड़

मुंबई की लोकल ट्रेनों में भीड़ कितनी होती है, यह किसी से छिपा नहीं है. खासकर पीक ऑवर में सीट मिलना किसी लॉटरी जीतने जैसा लगता है. लेकिन एक महिला यात्री ने इसका ऐसा आसान जुगाड़ निकाला कि सोशल मीडिया पर लाखों लोग उसकी तारीफ कर रहे हैं.यह वीडियो इंस्टाग्राम यूजर मधुबाला ने शेयर किया है. वीडियो मुंबई की विरार जाने वाली लोकल ट्रेन के अंदर का है. वीडियो में महिला अपने बैग से एक छोटा सा फोल्डिंग स्टूल निकालती नजर आती है. आमतौर पर भीड़ के समय ट्रेन में सीट मिलना मुश्किल होता है, इसलिए उसने अपने साथ यह छोटा स्टूल रखा था. महिला भीड़ के बीच थोड़ी सी खाली जगह देखकर उस स्टूल को सावधानी से रखती है

और इस तरह एडजस्ट करती है कि किसी को परेशानी भी न हो. इसके बाद वह आराम से उस पर बैठ जाती है. आसपास खड़े लोग उसे देखकर हैरान भी होते हैं और मुस्कुराते भी नजर आते हैं.बैठने के बाद महिला मजाकिया अंदाज में कहती है कि विरार लोकल में बैठने के लिए आइडिया चाहिए... सीट ही सीट है.

प्लेन में एयर होस्टेस की बच्चों संग मस्ती

छोटे बच्चे के साथ हवाई सफर करना माता-पिता के लिए थोड़ा मुश्किल हो सकता है. ऐसे में एक कपल के साथ हाल ही में एयरपोर्ट पर ऐसी घटना घटी, जिसने सोशल मीडिया पर लोगों का दिल छू लिया. जब कपल अपने छोटे से बच्चे के साथ फ्लाइट के इंतजार में थे, तभी इंडिगो की फ्लाइट अटेंडेंट्स और केबिन क्रू ने उनके बच्चे को गोद में उठाकर उसे प्यार किया, उसके साथ खेलते रहे और खूब मस्ती की. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर @khayarphy नाम के हैंडल से इस घटना के वीडियो के साथ एक पोस्ट शेयर किया गया है. वीडियो में छोटे से बच्चे और इंडिगो के केबिन क्रू सदस्यों के बीच दिलचस्प इंट्रैक्शन का

पल दिखाया गया है. बच्चे की मां के अनुसार, यह घटना तब घटी जब परिवार हवाई अड्डे पर अपनी फ्लाइट में चढ़ने का इंतजार कर रहा था. इस वीडियो में नीली ड्रेस पहने इंडिगो की कई फ्लाइट अटेंडेंट एक छोटी बच्ची को गोद में उठाकर उसका गर्मजोशी से स्वागत करती नजर आ रही हैं.

नाचने लगे सारे बाराती

बैंड वाला करने लगा कॉमेंट्री

भारत में क्रिकेट का जुनून ऐसा है कि हालात जैसे भी हों, लोग मैच का अपडेट जरूर जानना चाहते हैं. कल T20 वर्ल्ड कप फाइनल था और पूरे देश की नजर भारत बनाम न्यूजीलैंड मुकाबले पर टिकी हुई थी. भारत ने इस मैच में शानदार जीत दर्ज की.

लेकिन इसी बीच एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे देखकर साफ समझ आता है कि क्रिकेट भारत के लोगों के दिलों में किस तरह बसा हुआ है. यह वायरल वीडियो आगरा की एक शादी का बताया जा रहा है. शादी में जश्न और रौनक अपने चरम पर थी, लेकिन उसी समय टी20 वर्ल्ड कप का फाइनल भी चल रहा था. ऐसे में बारातियों ने एक अनोखा जुगाड़ निकाल लिया. उन्होंने दूल्हे

यह वायरल वीडियो आगरा की एक शादी का बताया जा रहा है (Photo:X/@SachinGuptaUP)

की बारात को ही लाइव मैच का स्टेडियम बना दिया. वीडियो में देखा जा सकता है कि बारात के बीच हर गेंद का लाइव अपडेट और कमेंट्री सुनाई जा रही है.

जैसे ही मैच में कोई बड़ा पल आता है, बाराती झूम उठते हैं. शादी के जश्न के साथ-साथ क्रिकेट का रोमांच भी बराबर चल रहा था. इस वीडियो को देखने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने मजेदार प्रतिक्रियाएं दीं. एक यूजर ने लिखा कि विवाह का पल तो वैसे ही यादगार होता है, ऊपर से मैच का भी ऐलान हो रहा है और भारत जीत भी गया. यह वाकई अद्भुत पल है." वहीं एक अन्य यूजर ने मजाकिया अंदाज में लिखा कि वाह! ताजनगरी आगरा में मोहब्बत के साथ-साथ क्रिकेट का भी 'निकाह' हो गया.

लखनऊ में शंकराचार्य का 'गो-प्रतिष्ठा जनजागरण अभियान' शुरू

कार्यक्रम की शर्तों पर उठाए सवाल

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती देशभर में 'गो-प्रतिष्ठा जनजागरण अभियान' चला रहे हैं।उनकी मांग है कि गाय को 'राष्ट्रमाता' का दर्जा दिया जाए और गो-हत्या पर सख्त कानून बने।इसी अभियान के तहत वाराणसी से शुरू हुई यात्रा लखनऊ पहुंची, जहां कार्यक्रम को प्रशासन ने 26 शर्तों के साथ अनुमति दी है।

टीवी भारतवर्ष उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बुधवार को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने 'गो-प्रतिष्ठा जनजागरण अभियान' का शंखनाद किया। इस दौरान उन्होंने सभा को संबोधित करने से पहले प्रशासन द्वारा कार्यक्रम के लिए लगाई गई शर्तों पर सवाल उठाए। कार्यक्रम स्थल पर उस समय हल्का हंगामा भी हो गया जब शंकराचार्य से मिलने आई एक महिला को पुलिस ने रोक दिया, जिसके बाद महिला और महिला पुलिसकर्मियों के बीच धक्का-मुक्की हो गई।शंकराचार्य ने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रशासन ने कार्यक्रम की अनुमति 26 शर्तों के साथ दी है। उन्होंने कहा कि इन शर्तों में यह भी शामिल है कि किसी व्यक्ति का नाम लेकर बयान नहीं दिया जाएगा। शंकराचार्य ने सवाल उठाते हुए कहा कि इससे लोगों के मन में संदेह पैदा हो रहा है कि आखिर पुलिस किसका नाम छिपाना चाहती है और उसने ऐसा क्या किया है।प्रशासन की ओर से जारी शर्तों के अनुसार सभा में धर्म, जाति, समुदाय या भाषा के खिलाफ भड़काऊ बयान नहीं दिया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल भी तैनात किया गया है।दरअसल, शंकराचार्य ने 30 जनवरी को उत्तर प्रदेश सरकार को 40 दिन का अल्टीमेटम देते हुए मांग की थी कि गाय को 'राष्ट्रमाता' घोषित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि ऐसा नहीं किया गया तो वे देशभर में आंदोलन शुरू करेंगे। इसी क्रम में उन्होंने 7 मार्च को वाराणसी से जनजागरण यात्रा शुरू की थी। यह यात्रा जौनपुर, सुल्तानपुर और सीतापुर होते हुए चार दिन में लखनऊ पहुंची।कार्यक्रम में विभिन्न राजनीतिक और धार्मिक नेताओं ने भी भाग लिया। अजय राय ने कहा कि शंकराचार्य का अपमान पूरे सनातन समाज का अपमान है और उनकी मांग पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। वहीं समाजवादी पार्टी के नेता रविदास मल्होत्रा ने कहा कि यदि 2027 में सपा की सरकार बनती है तो गाय को 'राज्य माता' का दर्जा दिया जाएगा।मध्यप्रदेश के अमरकंटक से आए महंत आनंदेश्वरानंद ने भी गो-हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की। सभा में वृंदावन से आईं इंदुलेखा ने कहा कि शंकराचार्य के सम्मान के लिए उन्होंने पिछले 10 दिनों से अन्न त्याग रखा है और अब वह इस अभियान में शामिल होने के लिए लखनऊ पहुंची हैं। उन्होंने आशुतोष ब्रह्मचारी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके खिलाफ 27 मामले दर्ज हैं, इसलिए उन्हें अपने नाम से 'ब्रह्मचारी' शब्द हटा लेना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आशुतोष ब्रह्मचारी ने खुद को चोट पहुंचाकर यह आरोप लगाया कि महाराज जी ने ऐसा कराया, जबकि शंकराचार्य कभी इस तरह का काम नहीं करेंगे और वह हमेशा सामने से संघर्ष करते हैं।इस कार्यक्रम के लिए लखनऊ प्रशासन ने 26 शर्तों के साथ अनुमति दी है। इन शर्तों के तहत सभा में धर्म, जाति, समुदाय या भाषा के खिलाफ भड़काऊ बयान नहीं दिया जाएगा और किसी राजनीतिक या धार्मिक व्यक्ति के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल नहीं होगा। नाबालिग बच्चों से विवादित नारे नहीं लगवाए जाएंगे और सीमित संख्या में ही वाहन कार्यक्रम स्थल तक आ सकेंगे ताकि ट्रैफिक प्रभावित न हो।इसके अलावा पंडाल की ऊंचाई कम से कम तीन मीटर रखने, ध्वनि की सीमा 75 डेसीबल से अधिक न होने, रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर बंद रखने और आतिशबाजी, हथियार तथा हर्ष फायरिंग पर पूरी तरह रोक लगाने जैसी शर्तें भी रखी गई हैं। साथ ही किसी भी अप्रिय घटना की जिम्मेदारी आयोजकों की होगी और पुलिस के सभी निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा।दरअसल, शंकराचार्य ने 30 जनवरी को उत्तर प्रदेश सरकार को 40 दिन का अल्टीमेटम देते हुए गाय को 'राष्ट्रमाता' घोषित करने की मांग की थी। इसी क्रम में उन्होंने 7 मार्च को वाराणसी से जनजागरण यात्रा शुरू की, जो जौनपुर, सुल्तानपुर और सीतापुर होते हुए लखनऊ पहुंची। शंकराचार्य आज लखनऊ में ही रुकेंगे और गुरुवार को अहमदाबाद के लिए रवाना होंगे।

नौसेना का जवान बना जासूस: पाकिस्तान भेजी युद्धपोतों की तस्वीरें और लोकेशन

टीवी भारतवर्ष आगरा

उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने एक बड़ी कार्रवाई की है। भारतीय नौसेना के जवान आदर्श कुमार उर्फ लकी को जासूसी के आरोप में आगरा से पकड़ा है। आरोप है कि नौसेना का यह जवान पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए काम कर रहा था और सामरिक महत्व की सूचनाएं लीक कर रहा था। आगरा निवासी आदर्श कुमार, जो वर्तमान में केरल के कोच्चि में दक्षिण नेवल कमांड में तैनात था, शादी के लिए छुट्टी पर घर आया हुआ था। खुफिया एजेंसियों द्वारा की जा रही निगरानी में आदर्श का नाम सामने आने के बाद एटीएस ने उस पर कड़ी नजर रखी। एटीएस की जांच में पता चला है कि आदर्श कुमार आईएसआई के अपने हैंडलर को युद्धपोतों की तस्वीरें और उनकी लोकेशन जैसी संवेदनशील जानकारी भेज रहा था। इस जासूसी के बदले में आईएसआई एजेंट उसके खाते में रकम भेज रहे थे। जब इस भुगतान की पुष्टि हो गई, तो एटीएस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। एटीएस ने आदर्श कुमार की गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ शुरू कर दी है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि उसने कितनी अवधि से यह जासूसी की और किन-किन सूचनाओं को लीक किया। उसके द्वारा भेजी गई तस्वीरों और लोकेशन के आधार पर भारतीय नौसेना के ठिकानों की सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं बढ़ गई हैं। इस मामले में आगे की जांच जारी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्या इस रैकेट में कोई और भी शामिल है। भारतीय नौसेना का एक जवान, जो हाल ही में शादी के बाद हनीमून से लौटा था, को उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह घटना देश की सुरक्षा के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है, खासकर तब जब आरोपी ने अपनी व्यक्तिगत खुशियों के बीच देश के राज़ दुश्मन को सौंपे।

यूपी में गैस संकट: सिलेंडर के लिए मारपीट

कई जगह लंबी लाइनें

टीवी भारतवर्ष यूपी

उत्तर प्रदेश में रसोई गैस (LPG) की किल्लत हो गई है। बुकिंग के 4 से 5 दिन बाद भी सिलेंडर नहीं मिल रहे हैं। किल्लत के चलते अयोध्या में राम रसोई को बंद कर दिया गया है। 8 साल में पहला मौका है जब राम रसोई बंद की गई है।श्रावस्ती में गैस एजेंसी पर लोगों की भीड़ उमड़ी। धक्का-मुक्की में एक महिला जमीन पर गिरकर बेहोश हो गई। उसके सिर में खून बहने लगा। इलाज के लिए उसे अस्पताल भेजा गया। उधर, बुधवार को दूसरे दिन भी गैस एजेंसियों के बाहर लाइनें लगी रहीं। गोरखपुर और सिद्धार्थनगर में पुलिस की मौजूदगी में सिलेंडर बांटे जा रहे हैं। कई जगह गैस एजेंसियों पर तड़के 3 बजे से ही लोग सिलेंडर लेकर पहुंच गए। लाइन में लगकर घंटों इंतजार के बाद भी लोगों को सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। वजह- सिलेंडर कम हैं और लेने वालों की संख्या ज्यादा। गोरखपुर में लाइन के बीच एक युवक सिलेंडर लेकर घुसने लगा। इसका दूसरे युवक ने विरोध किया तो दोनों के बीच मारपीट हो गई। पुलिसकर्मियों के सामने ही दोनों ने एक-दूसरे को लात-घूंसे मारे। बाद में पुलिस दोनों को पकड़कर ले गई। इधर, सीएम योगी ने सख्त आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि गैस और तेल की कालाबाजारी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गैस की किल्लत को लेकर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी जिलों के डीएम और एसपी को निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। हालांकि, अफसरों का कहना है कि परेशान होने की जरूरत नहीं है। गैस कंपनियों ने भी ग्राहकों को मैसेज भेजकर गैस की किल्लत की खबरों से इनकार किया है। उनका कहना है कि ईंधन की कमी के दावे भ्रामक और निराधार हैं।

ब्रेन डेड' बताकर घर भेजा, एंबुलेंस के झटके से लौटी सांसें

13 दिन बाद महिला स्वस्थ

टीवी भारतवर्ष पीलीभीत

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला को डॉक्टरों ने ब्रेन डेड घोषित कर घर ले जाने की सलाह दे दी थी, लेकिन रास्ते में एंबुलेंस के एक झटके से उसकी सांसें फिर चलने लगीं। बाद में दूसरे अस्पताल में इलाज के बाद महिला पूरी तरह स्वस्थ होकर घर लौट आई है।मामला शहर कोतवाली क्षेत्र का है। यहां रहने वाले कुलदीप शुक्ला की पत्नी विनीता शुक्ला (50) 22 फरवरी को घर का काम करते समय अचानक बेहोश होकर गिर पड़ीं। विनीता जिला अदालत में वरिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत हैं। परिजन उन्हें तुरंत इलाज के लिए बरेली के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे।अस्पताल में डॉक्टरों ने विनीता को वेंटिलेटर पर रखा, लेकिन दो दिन तक कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर उन्हें 'ब्रेन डेड' जैसी स्थिति बताते हुए घर ले जाने की सलाह दे दी। डॉक्टरों के इस जवाब के बाद परिवार ने भारी मन से उन्हें एंबुलेंस से वापस पीलीभीत ले जाने का फैसला किया।पति कुलदीप शुक्ला के अनुसार 24 फरवरी को वे एंबुलेंस से लौट रहे थे। तभी बरेली-हरिद्वार नेशनल हाईवे पर सड़क के एक गड्ढे से गुजरते समय एंबुलेंस को तेज झटका लगा। झटका लगते ही विनीता के शरीर में हलचल होने लगी और उनकी सांसें चलने लगीं।यह देखकर परिजन घबरा गए और तुरंत उन्हें पास के दूसरे अस्पताल में भर्ती कराया। वहां डॉक्टरों ने उनका इलाज शुरू किया। करीब 13 दिनों तक चले इलाज के बाद विनीता की हालत में सुधार हुआ और अब वह पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने घर लौट आई हैं।इस घटना के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली है, वहीं यह मामला इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। कई लोग इसे चमत्कार मान रहे हैं।